ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -25 | नवम्बर - I - 2023 | अंक - 15 | माउण्ट आबू | Rs.-12

'नए युग के लिए दिव्य ज्ञान' विषय पर... ग्लोबल सम्मिट- 2023

भारत ही एकमात्र देश जो विश्व को दिशा और शांति दे सकता है : खुबा

- पूर्व केन्द्रीय मंत्री निशंक बोले- ब्रह्माकुमारीज़ आत्मा को परमात्मा से जोड़ रही है

- वैश्विक शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन राजनीतिज्ञ और मीडिया जगत की हस्तियों ने की शिरकत

- तीन हस्तियों को दिया गया राष्ट्र चेतना पुरस्कार

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन के विशाल डायमण्ड हॉल में आयोजित चार दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर 'नए युग के लिए दिव्य ज्ञान' विषय पर संबोधित करते हुए केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री भगवंत खुबा ने कहा कि भारत ऋषि-मुनियों, तपस्वियों, योगियों का देश है। भारत ज्ञान-विज्ञान और अध्यात्म से विश्व गुरु था। कई कारणों से बीच में विकृति आई, इस कारण दुनिया में अशांति, अधर्म, असत्य आया। भारत ही एकमात्र देश है जो विश्व को दिशा और शांति दे सकता है। अब एक बार फिर से दुनिया को प्रेरित करने का समय आया है। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज के कारण दुनिया में कई बदलाव हो रहे हैं। इसे फिर से पूर्व की स्थिति में ले जाना है। विज्ञान का मानवहित में होना ज़रूरी है। जी-20 सम्मेलन में वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर के माध्यम से भारत ने विश्व को दिखाया है कि हम वसुधैव कुटुम्बकम की बात सोचते ही नहीं, करते भी हैं। जब तक नारी शक्ति का उपयोग विश्व पूर्ण क्षमता के साथ नहीं करता है तब तक पूरा विकास नहीं कर सकता। जो बातें हम करते हैं उसे आचरण में लाना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।

आत्मा को परमात्मा से जोड़ रही है संस्था : हरिद्वार से सांसद व पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल(निशंक) ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ आत्मा को परमात्मा से जोड़ रही है। मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने और संकल्प से सिद्धि की ओर ब्रह्माकुमारीज़ की यह यात्रा प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने कहा कि नारियों को जो सम्मान और स्थान इस विश्व विद्यालय में दिया जाता है वह और कहीं देखने को नहीं मिलता, जो प्रशंसनीय व अनुकरणीय है।

जीवन बदलने में जुटी है संस्था

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश नहाकुल सुबेदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा भारत सहित नेपाल में लोगों का जीवन बदलने में जुटी है। अध्यात्म हमें सकारात्मक बना देता है। ऐसे प्रयासों से ही विश्व शांति आएगी।

यहां से दिया जा रहा बदलाव का संदेश उत्तर प्रदेश के पशुपालन डेयरी विकास कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत की संकल्पना ब्रह्माकुमारीज़ के माध्यम से साकार हो रही है। यहां से लोगों को बदलाव का संदेश दिया जा रहा है।

धर्म से ऊपर उठकर आध्यात्मिकता की ओर आगे बढ़ना होगा : नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री व सांसद प्रकाश मान सिंह ने कहा कि धर्म से ऊपर उठकर हमें एक विचारधारा के साथ आगे बढ़ना होगा,

मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा को मोमेंटो भेंट करते हुए अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी एवं कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय भाई।

5 हज़ार साल पुरानी सनातन सभ्यता से प्रेरित है हमारा संविधान : मुख्यमंत्री

वैश्विक शिखर सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हमारा देश हजारों वर्षों से आध्यात्मिकता का केंद्र रहा है। मैं समझता हूं कि भारत की सनातन सभ्यता और संस्कृति पांच हज़ार साल पुरानी है जो भारत का मूलभूत गौरव है। हमने जो ज्ञान ऋषि-मुनियों से सीखा है वही ज्ञान हमारे संविधान में समाहित किया गया है। भारत का संविधान हमारे ही देश की शिक्षा, सभ्यता और संस्कार से प्रेरित है, जो कहता है कि हमें संविधान के आधार पर चलना चाहिए। लेकिन मैं कहता हूं कि हम भारत की पुरातन शिक्षा के आधार पर चलें तो अच्छा इंसान बन सकते हैं। गीता में परमात्मा ने कहा है कि मानव मात्र निमित्त होता है, जो करते हैं भगवान करते हैं। हमारा मूल ज्ञान यही है कि परमात्मा एक है और हम सभी आत्माएं हैं। हमारे गलत कर्म हमें परमात्मा से दूर कर देते हैं। लेकिन जब हम परोपकार, पुण्य कर्म करते हैं तो परमात्मा से पुनः मिल सकते हैं। निर्मल आत्मा, परमात्मा की सबसे प्रिय और पास होती है।

ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी से मुलाकात करते हुए असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत विश्व शर्मा।

तभी विश्व शांति आएगी। ब्रह्माकुमारीज़ शांति का संदेश देकर सामाजिक बदलाव में बड़ी भूमिका निभा रही है। मेरे पिताजी लंबे समय तक संस्था से जुड़े रहे और आध्यात्मिक ज्ञान का उनके जीवन में काफी प्रभाव रहा।

तो जीवन बनेगा आदर्शवान...

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है लेकिन जो समझदार होते हैं वह लोग सही समय पर खुद में परिवर्तन करके अपना जीवन उच्च व आदर्शवान बना लेते हैं। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी ने राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई। महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर भाई ने कहा कि परमात्मा ने हमें श्रीमत दी है कि सबसे पहले उठकर गुड मॉर्निंग करो। यदि हम सबसे पहले गॉड से गुड मॉर्निंग करेंगे तो सारा दिन गुड जाएगा और हम तनाव मुक्त रहकर कार्य कर सकेंगे।